Email : guj.abhgb@gmail website : https://hgbsgujarat.org

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात

तंत्री एवं प्रधान संपादक
विजयकुमार छत्रपाल शर्मा (चोरीवाड-ईडर)

• वर्ष : 1 • अंक : 10
• 14 अप्रैल 2024, रविवार

सहतंत्री
• कमलेश शर्मा (पनवाडिया-थोलाईवाले), • रामअवतार एम.शर्मा (कुडाया), अहमदाबाद, • उमेश कुडाया (कठवाडा)

धूमधाम से मनाई जाएगी भगवान परशुराम जयंती

पाटण-बनासकांठा जिला संगठन द्वारा परशुराम जयंती के भव्य आयोजन की घोषणा

अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन के तत्वाधान में पाटन-बनासकांठा जिला संगठन एवं युवा संगठन ने पाटण में परशुराम जयंती का भव्य आयोजन किया है..अगले 10 मई 2024 शुक्रवार को अक्षय तृतीया-परशुराम जयंती है। पाटण-बनासकांठा जिला संगठन द्वारा 7 अप्रैल 2024 को जिला के समाजबंधुओ के साथ बैठक हुई जिसमें परशुराम जयंती मनाने को लेकर सहमति बनी। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक 9-10 मई को दो दिवसीय कार्यक्रम होगा जिसमें पहले दिन अखंड रामायण की योजना है. जिसकी पूर्णाहूति दूसरे दिन यानी परशुराम जयंती के दिन सुबह होगी. उसके बाद यज्ञ का आयोजन किया जाएगा.. कार्यक्रम के बाद दोपहर के भोजन की प्रसादी की योजना बनाई गई है...यज्ञ और अखंड रामायण पाठ के लिए देवी आटस परिवार गुजरात तरफ से सहयोग मिल रहा है..वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पाटण-बनासकांठा युवा टीम का विशेष सहयोग मिल रहा है। महाप्रसादी के बाद समाज के चमकते सितारों और युवा डॉक्टरों, शिक्षक, चार्टर्ड अकाउंटेंट, सरकारी भर्ती में चयनित होने वाले युवाओं आदि को सम्मानित करने की योजना बनाई जा रही है। यह बात पाटण-बनासकांठा जिले की टीम ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कही है।

ब्राह्मणो के देव परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे। महर्षि वेदव्यास, राजा बलि, हनुमान, विभीषण, कृपाचार्य, ऋषि मार्कंडेय सहित उन आठ अमर किरदारों में उनकी गिनती होती है, जिन्हें कलियुग तक अमर माना जाता है। भगवान परशुराम के बचपन का नाम राम भी माना जाता है। इनके बचपन में उन्हें राम कहकर बुलाते थे। इनके चार भाई थे। उनके पिता का नाम जमदग्नि और माता का नाम रेणुका था। इस दिन भगवान विष्णु के परशुराम अवतार की पूजा करने से शौर्य, कांति एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है और शत्रुओं का नाश होता है।

वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को ही भगवान परशुराम ने पृथ्वी पर जन्म लिया था। परशुराम के अवतार का महत्व विनाशकारी और अधार्मिक शासकों को नष्ट करके पृथ्वी पर बुराई को दूर करना है। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार, यह माना जाता है कि परशुराम का जन्म प्रदोष काल के दौरान हुआ था, इसलिए जिस दिन प्रदोष काल के दौरान तृतीया आती है, वह दिन परशुराम जयंती समारोह के लिए शुभ माना जाता है। भगवान परशुराम के जन्म का उद्देश्य पृथ्वी को पापों, विनाश और अधार्मिक प्रथाओं के बोझ से मुक्त करना था।

भगवान परशुराम को चिरंजीवी माना जाता है. मान्यता है कि वे प्रत्येक युग में मौजूद रहते हैं और वर्तमान कलयुग में भगवान विष्णु के होने वाले कल्कि अवतार को शस्त्र की शिक्षा देंगे। भगवान परशुराम ने जिन लोगो को शस्त्र की शिक्षा दी, उनमें भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य और कर्ण जैसे शूरवीर शामिल हैं। भगवान परशुराम ने धर्म की रक्षा के लिए शस्त्र और शास्त्र दोनों को धारण कर सनातन संस्कृति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भगवान परशुराम को न्याय का देवता माना जाता है, जिन्होंने 21 बारक्षत्रियों को दंड दिया था। मान्यता है कि अक्षय तृतीया या फिर कहें परशुराम जयंती के दिन श्रद्धा भाव के साथ भगवान परशुराम का सुमिरन, पूजन करने पर अक्षय फल की प्राप्ति होती है.

परशुराम जयंती के दिन इन मंत्रों का करें जाप

ॐ ब्रह्मक्षत्राय विद्महे क्षत्रियान्ताय धीमहि तन्नो रामः प्रचोदयात्॥

ॐ जामदग्न्याय विद्महे महावीराय धीमहि, तन्नोपरशुरामः प्रचोदयात्॥'

(इस लेख में दी गई जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं, पत्रिका टीम इनकी पुष्टि नहीं करता है)

गुजरात सेवा संगठन और गुजरात महासभा

गुजरात के दोनो संगठन समाज के लिए कितने आगे और कितने पीछे?

अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन ने अपने पुन: गठन की प्रक्रिया के बाद अप्रैल 2024 में सफलतापूर्वक डेढ साल पूरा कर लिया है। आप सभी को ज्ञात होगा कि अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण राष्ट्रीय महासभा के निर्णय के बाद गुजरात में दो संगठन बने थे। जिनमें एक संगठन वर्तमान में अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा-गुजरात प्रदेश है और दूसरा संगठन अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन है। दोनों ही संगठन एक ही समाज के हैं, इसके बावजूद ये समाज के हित में एकजुट नहीं हो सके ये कडवी हकीकत है। पिछले एक साल से गुजरात में दो अलग-अलग संगठन काम कर रहे हैं। डेढ वर्ष में दोनों संगठन द्वारा किये गये कार्यों एवं समाज कल्याण गतिविधियों पर नजर डालें तो ऐसा नहीं लगता कि प्रदेश संगठन की तरफ से समूह विवाह को छोडकर कोई महत्वपूर्ण कार्य किये गये हों। कोई ऐसा कार्य नही है जो गिनाया जा सके या जिससे समाजबंधुओ को फायदा पहुंचाया जा सका हो। जिला स्तर पर कार्यक्रम जिला संगठन टीम द्वारा हुए जरूर है लेकिन उस में प्रदेश टीम का सीधा कोई रोल नही होता इसलिए प्रदेश टीम का कार्यक्रम प्रदेश स्तर पर ना के बराबर ही रहा।

• सबसे पहले बात करते हैं अखिल गुजरात हरियाणा गौड़ ब्राह्मण सेवा संगठन की.. तो यह संगठन शुरुआत में बहुत सक्रिय रहा था। गुजरात सेवा संगठन के अध्यक्ष संजय पंडित के नेतृत्व में विभिन्न जिला टीमों का गठन किया गया और प्रदेश टीम द्वारा पदों का आवंटन किया गया। अहमदाबाद-गांधीनगर, साबरकांठा-अरवल्ली, पाटन-बनासकांठा टीम द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। फरवरी 2023 में पाटण से ही सामूहिक विवाह की तारीख घोषित कर दी गई। वही आणंद की टीम द्वारा राज्य स्तरीय परशुराम जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रदेश युवा टीम द्वारा वडोदरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। समाज के लिए जो बात सबसे ज्यादा चर्चा में थी और समाज के सदस्यों की ओर से सबसे ज्यादा मांग थी, वह थी समाज की धर्मशाला को लेकर। गुजरात सेवा संगठन इसके

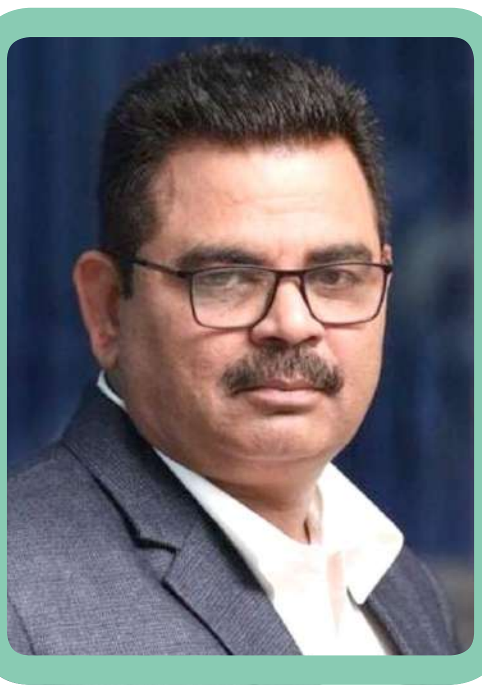

लिए सक्रिय नजर आया। अब तक की जानकारी के अनुसार, गुजरात के लगभग 19 परिवारों ने गुजरात में समाज की धर्मशाला के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए प्रदेश टीम को अपना सहमति पत्र दिया है। प्रदेश की टीम समाज के विभिन्न कार्यों में रुचि लेती नजर आयी। उन्होने कई जिलो का प्रवास भी किया। बदायूँ के परिवार की मदद के लिए सबसे पहले प्रदेश संगठन के अध्यक्ष संजय पंडितने 5,100 रुपए की मदद से मुहिम को आगे बढ़ाया। नतीजा यह हुआ कि पूरे गुजरात से समाज के लोगों ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया। करीब 90 हजार से ज्यादा की आर्थिक मदद सीधे तौर पर परिवार को मिल पाई थी। फरवरी 2024 में समूह विवाह हुआ उसकी सही मायने में क्रेडिट के हकदार प्रदेश युवा मोरचा के सदस्य ही है। जिन्होने समूह विवाह के लिए मजबूती के साथ पक्ष रखा। तब जाकर रद्द किया गया समूह विवाह पुन:लोन्च किया गया था। हालाकि जो भी हुआ समाजहित के लिए ये कार्यक्रम काफी बेहतरीन रहे।

लेकिन पिछले तीन-चार महीनों से प्रदेश संगठन की टीम में काफी सुस्ती देखने को मिल रही है। गुजरात सेवा संगठन एक वर्ष के दौरान प्रदेश स्तर का कोई कार्यक्रम नहीं कर सका। अधिकांश कार्यक्रम जिला स्तर पर ही हुए। धर्मशाला बनाने का अभियान शुरू किया गया। लेकिन यह धर्मशाला किस जिले में बनाई जाए? डेढ साल बीतने के बावजूद प्रदेश संगठन जगह तय नहीं कर सका। इतना ही नही कोई जिला भी तय नही कर पाया। गुजरात में कहा जाता है कि आरंभे शूरा.. मतलब की साल की शुरुआत काफी शानदार रही। लेकिन साल के अंत तक संगठन में शिथिलता चरम पर पहुंच गई. एक ओर, क्षेत्रीय टीम धर्मशाला के लिए वित्तीय सहायता जुटाने के लिए एक जिले से दूसरे जिले की यात्रा कर रही थी। वही दूसरी ओर कुछ जिले में यादवास्थली भी देखने को मिली। ऐसे में प्रदेश संगठन मूकदर्शक ही बना रहा। इसके अलावा संगठन ने महिला टीम के गठन का भी आश्वासन दिया था। लेकिन ड़ेढ वर्ष में महिला क्षेत्रीय टीम का गठन नहीं हो सका। महिलाओं के मुद्दे पर क्षेत्रीय संगठन में सुस्ती दिखी, और न ही महिलाओ से कोई आवाज अपने लिए संगठन को लेकर उठी। वहीं कुछ जिलों में महिला टीम बनाने का विरोध भी हुआ था। इसके अलावा, गुजरात बोर्ड परीक्षा 2023 में उत्तीर्ण होने वाले राज्य के विभिन्न जिलों के छात्रों को प्रमाण पत्र देने से भी प्रदेश संगठन चूक गया। हरित जयंती की पूर्व जानकारी के बावजूद प्रदेश संगठन हरित ऋषि को लेकर एक छोटा सा भी कार्यक्रम आयोजित नहीं कर सका। वही सदस्यता शुल्क के लिए 1200 रुपये प्रति वर्ष हर परिवार को देने थे। अब जिस सदस्य या परिवार ने 1200 रुपए नहीं दिए उसके लिए क्या प्रावधान किया गया? या उनकी सूची मेन्टेईन करने की जरुरत थी। इतना ही नहीं, प्रदेश संगठन समाज के कमजोर वर्ग के परिवारों को खोजने और उन्हें आवश्यक सामान या उपकरण उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय सहायता सेल(सहायता कोष) की घोषणा भी नहीं कर सका। समाज की जनगणना करने वाले नायब मामलतदार हरीश पंडित काफी समय से प्रदेश संगठन के तौर-तरीको से नाराज चल रहे है, प्रदेश संगठन का उनसे संपर्क ना के बराबर ही रहा। जनगणना का कार्य अधूरा ही रहा। प्रदेश संगठन ने इस कार्य को पूरा करने के लिए उनसे कोई फोलोअप तक नही लिया। और न ही जनगणना अभियान को बढावा दिया। यहा संवाद का अभाव और समाजहित की अनदेखी मुख्य वजह दिखाई दी। कुछ बुद्धिजीवी वर्ग भी अपने अपने स्तर पर गुटबाजी में व्यस्त रहे। कुल मिलाकर हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज आज भी वही खडा है, जहां पिछले दिनो था। समाज को एक करने, एकजूट करने,विनम्रता से संवाद स्थापित करने और विवाद को सुलझाने के लिए समाज को अभी सालो तक महेनत करनी होगी यह तय है। क्यूकि समाजबंधुओ में समझदारी से ज्यादा नासमझ काफी हावी है। टांगखिंचाई आज भी चरम पर है।

• अब बात करते है अखिल भारतीय हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात महासभा की... यह बहुत आश्चर्य की बात है कि यह संगठन पिछले डेढ साल में क्या कर रहा है?.. किसी को खास कुछ पता नही है। गुजरात महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रामजीलाल जोशी के नेतृत्व में प्रदेश महासभा का गठन कर दिया गया. हालाकि एक साल में अहमदाबाद में स्नेह मिलन कार्यक्रम के अलावा खास कोई समाज हित का कार्य उनके द्वारा नही किया गया है. न हारित जयंति मनाई, न जिला संगठन का गठन किया , न युवाओ के लिए कोई कार्यक्रम किया. और न ही धर्मशाला के लिए कोई जगह तय हुई. कुल मिलाकर देखा जाए तो गुजरात महासभा हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज के लिए गुजरात में समाजबंधुओ को लाभ मिल सके या एकजूट कर सके ऐसा एक भी रचनात्मक कार्यक्रम नही कर पाई। हालाकि राजस्थान में विधानसभा चुनाव में गुजरात महासभा के समाजबंधुओ में काफी सक्रियता दीखी। लेकिन गुजरात में समाज के लिए संगठन की सक्रियता ना के बराबर ही रही। समाज के लिए न किसी के पास समय निकला , न समाज के लिए कोई काम हुआ।

अखिल भारतीय हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात महासभा अहमदाबाद या आसपास समाज की धर्मशाला खोजने पर कई महिनो से विचार कर रही थी लेकिन गुजरात सेवा संगठन की तरह वे भी "आरंभे शुरा" निकली।

(सन्दर्भ पृष्ठ क्रमांक 3 पर)

(पृष्ठ क्रमांक-2 का संदर्भ)

गुजरात सेवा संगठन और गुजरात महासभा

मतलब की शुरुआत में बेहद सक्रिय बाद में खास कुछ नही कर पाई। यह बात जरुर है कि सबके पास अपना अपना बिजनेस और अपना परिवार है इसलिए समय निकालना और समाज के कार्यक्रमो में शिरकत करना मुश्किल हो जाता है। लेकिन समाज के पद पर बैठकर एक भी कार्यक्रम समाजहित में न करना यह समाज के साथ नाइन्साफी होती है। प्रदेश संगठन को अपने स्तर पर कुछ कार्यक्रम करने जरुरी होते हैं जो समाजहित के होते है, उसपर ध्यान नही दिया गया। अगर समय ही नही है तो संगठन का मतलब क्या? शुरुआत में महासभा-गुजरात ही धर्मशाला या समाजहित के कार्य करेगी ऐसा माहोल दिख रहा था, अहमदाबाद में शपथ समारोह में गुजरात के ब्राह्मण विधायको ने धर्मशाला-छात्रावास के लिए गुजरात सरकार से जमीन दिलवाने के लिए आश्वासन दिया था उस पर भी महासभा गुजरात प्रदेश संगठन उनसे काम नही निकलवा पाया। गुजरात महासभा की शिथिलता का यह सबसे बडा उदाहरण है। उन्हो(विधायको) ने कहां था कि प्रदेश संगठन अपने लेटरपेड पर अपना लिखित प्रस्ताव भिजवाए, सरकार से विधायक स्वयं बात करके जमीन दिलवाने के लिए तैयार थे। लेकिन कोई पेपरवर्क नही हुआ। इस पर एक साल तक कोई काम नही हुआ यह वाकई में संगठन की शिथिलता की पराकाष्ठा ही थी।

हमारे गुजरात समाज में इन बातो से लगा है ग्रहण

01 आपसी सौहार्द का अभाव

आपसी सौहार्द का अभाव : हमारे समाज में सबसे बड़ी समस्या आपसी सौहार्द का अभाव है। समाज का कार्यक्रम तय करने से पहले समाज के विभिन्न जिला एवं क्षेत्रीय एवं अग्रणी सदस्यों से कोई परामर्श नहीं किया जाता है। इन्हें विश्वास में लिए बिना किसी भी कार्य में अपेक्षित सफलता नहीं मिलती। आपसी विचार-विमर्श की बहुत कमी है। इतना ही नहीं, जिला टीम क्षेत्रीय टीम से भी लगातार चर्चा या संपर्क में नहीं दिख रही है। ज्यादातर दोनो टीम में सामंजस्य का अभाव रहा है। कई बार ऐसा भी हुआ है कि प्रदेश के निर्णयों की जानकारी जिले को नहीं होती है। और जिला टीम के निर्णयों की सूचना क्षेत्रीय टीम को नहीं होती है। इस तरह से संगठन कभी काम नही कर सकता। वही दूसरी ओर गुजरात महासभा समाजहित के कोई कार्य नही कर पाई इसलिए इस मुद्दे पर उनके बारे में राय रखना ही गलत होगा।

02 निर्णायकता (निर्णयक्षमता) का अभाव

निर्णायकता (निर्णयक्षमता) का अभाव : पिछले डेढ साल में हमारे समाज में कुछ कार्यक्रम हुए है. लेकिन प्रदेश नेतृत्व में समाज हित में निर्णय लेने की क्षमता कमजोर पाई गई है। उदाहरण के तौर पर जैसे समाज की धर्मशाला बनाने के लिए एक साल बीत गया लेकिन प्रदेश टीम धर्मशाला कहां बनेगी उसकी जगह या जिला तय नहीं कर पाई. प्रदेश नेतृत्व ने वादा किया था कि एक साल के अंदर धर्मशाला के लिए जमीन अधिग्रहण कर लिया जायेगा. लेकिन कोई निर्णय नहीं हो सका। हालाकि प्रदेश टीमने इस के लिए काफी भागदौड की। लेकिन नतीजा अभी कुछ हांसिल नही हुआ। इसे निर्णयक्षमता का अभाव ही कहा जा सकता है। वही दूसरी ओर गुजरात महासभा भी समाज के लिए कोई बडा फैसला लेने के लिए सक्षम नही दिखी। जरुरतमंद परिवारजनो के लिए कोई जमीनी योजना पर कार्य नही कर सकी और न ही कोई निर्णय ले सकी। कई बार गुजरात महासभा अपने अस्तित्व की लडाई लड रही हो ऐसा ही प्रतीत होता रहा। सबसे बडी विचाराधीन बात तो यही है कि दोनो ही संगठन समाज के कमजोर वर्ग के लिए कुछ करने की सोच ही नही रहे।

03 विरोधी या असंतुष्ट रहे निरंकुश

विरोधी या असंतुष्ट रहे निरंकुश : हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज के बारे में एक बात हर किसी के मुंह से सुनने को मिलेगी कि हमारे समाज का कुछ नहीं होने वाला है। जब भी समाज के लिए कोई कार्य के बारे में फैसला हो या कोई कार्य करने का तय हुआ हो तो कुछ विरोधी त्वरित इंतजार में विरोध करने के लिए तैयार रहते है, प्रदेश संगठन उनके खिलाफ कोई योजना नही बना सका, नतीजा यह हुआ कि भीतर ही भीतर प्रदेश संगठन के विरुद्ध में माहोल बनने लगा। कई बार प्रदेश संगठन को असंतुष्टो के बारे में पता होने पर भी वह मूकदर्शक बना रहा। उन्हे साधने का प्रयास नही किया गया। नेतृत्व को असंतुष्ट या विरोध करनेवालो की भी सुननी चाहिए। स्वयं जो कर रहे है वही सही है ऐसा हर बार नही सोचना चाहिए। वही दूसरी ओर गुजरात महासभा में भी गुटबाजी एवं असंतुष्टो की कमी नही है। संख्याबल के मुकाबले में भी वे काफी पीछे ही रहे। वे चाहते तो गुजरात में समूह विवाह या धर्मशाला के लिए कुछ कर सकते थे। लेकिन वहा भी बैठको में कुछ खास नही निकला। साल के 365 दिन ऐसे ही निकाल दीए। अगर कहीं विरोध भी हो रहा हो तो वहां उनका रवैया समाधानकारी नही रहा यह भी एक वजह रही।

04 मार्गदर्शक मंडल बना "अडवाणी" मंडल

मार्गदर्शक मंडल बना "अडवाणी" मंडल : गुजरात सेवा संगठन ने मार्गदर्शन मंडल का गठन कर समाज के बुद्धिजीवियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया गया था। लेकिन भाजपा में जैसे लालकृष्ण अडवाणी की हालत है ठीक वैसे ही फिलहाल समाज के मार्गदर्शक मंडल के सदस्यो की हालत बनी हुई है। न उनसे कोई फैसले के बारे में पूछा जाता है या न उनसे कोई परामर्श होता है। अब संगठन को चलाने के लिए एवं मार्गदर्शन के लिए जो टीम बनाई है उसका उपयोग ही नही होगा तो कैसे फैसले होंगे और वहां परिपक्वता किस तरह की होगी यह समझा जा सकता है। तो वही गुजरात महासभा के पास तो मार्गदर्शक मंडल है ही नही। बुद्धिजीवीयो के विचार नही जाने जाते है। सोशियल प्लेटफार्म भी महासभा के सदस्य द्वारा धार्मिक पोस्ट और राजनीतिक पोस्ट से भरा रहता है। विचारधारा पर चलने की या उस पर आगे बढने के लिए कोई रोड मेप नही है यह हकीकत है। और न ही समाज को दिशा देने की कोई ब्लूप्रिन्ट है।

05 निष्क्रिय लोगो को संगठन में जगह

निष्क्रिय लोगो को संगठन में जगह : प्रदेश संगठन एवं जिला इकाई का गठन करने के बाद पिछले एक साल में हर जिला इकाई से जानकारी प्राप्त करने की जरुरत थी कि उन्होने अपने जिले में समाज के लिए क्या किया एवं वे कितना सक्रिय रहते है? कुछ जिलो में निष्क्रिय सदस्यो को पद दिया गया। समाज के लिए जो कुछ करना ही नही चाहते उन्हे पद दे दिए गए। उनकी निष्क्रियता की वजह से प्रदेश टीम को बल नही मिल सका। जब जिला अध्यक्ष काम नही करते या प्रदेश संगठन को विश्वास में लिए बिना ही अपने स्तर पर कोई भी फैसला लेने लगे तो उस पर प्रदेश टीम का कोई कन्ट्रोल या प्रभाव नही दिखता। नतीजा यही निकलता है कि वे मनमानी पर उतर जाते है और फिर एकदूसरे को सूचना नही देते है या समाजकार्यो में सहयोग नही करते है। उदाहरण के तौर पर धर्मशाला के लिए फंड जुटाने के संबंध में कुछ जिलो में ऐसा ही दिखा। एक संगठन - एक विचार - एक धर्मशाला पर मिलकर कोई कार्य नही किया जा सका। वही गुजरात महासभा टीम में सक्रिय सदस्य कितने है? समाज के लिए कितने काम आ रहे है? किसी को खास कुछ पता नही है। अगर निष्क्रिय सदस्य नही है तो फिर सक्रियता से कौन सदस्य क्या काम कर रहा है यही बता दे तो परिणाम ही मिल जाएगा। राष्ट्रीय महासभा प्रदेश टीम से समाज हित के लिए कोई कार्यक्रम करवा नही पा रही या सूचना भी मिल रही है या नही इसके बारे में महासभा के सदस्य ही बता सकते है।

06 फिडबैक या प्रतिभाव का अभाव

फिडबैक या प्रतिभाव का अभाव : संगठन कोई भी हो, लेकिन जिला या प्रदेश संगठन में सबकुछ सही चल रहा है या नही अथवा किसी बडे कार्य पर फैसला मुश्किल दिखे तो हर जिले से फिडबैक लेना जरुरी होता है। इससे हर जिले से आनेवाले विचारो को जगह मिलती है और फिडबैक या प्रतिभाव लेकर संगठन अपने फैसले को मजबूत बना सकता है। लेकिन संगठन में इस तरह का कोई चलन नही दिखा। कही कोई नाराज है तो संगठन को कोई फर्क नही पडता दिखा। अगर संगठन से कोई इस्तीफा देता है तो उससे कारण नही पूछा जाता या उसकी नाराजगी दूर नही की जाती। उदाहरण के तौर पर जनगणना अभियान इतना सटिक और समाज के लिए बेहतरीन कार्य था लेकिन कुछ जिलो से अभियान को बल नही मिल रहा था। यह संगठन का दायित्व था कि वे इन जिलो से फिडबैक प्राप्त कर अभियान में सहयोग करने के लिए सभी से अपील करे। लेकिन ऐसा नही हुआ। प्रभावी ढंग से काम नही करने की वजह ढूंढने की कोशिष होनी चाहिए। वही गुजरात महासभा में जिला इकाई है या नही यही पता नही। क्यूकि जिला स्तर पर तो कोई कार्य हो नही रहे है। और प्रदेश स्तर पर स्नेहमिलन के अलावा कोई कार्यक्रम नही हुआ है। गुजरात महासभा में महिला टीम भी नही है। वहां फिडबैक या प्रतिभाव की बात करना ही अनूचित होगा।

07 धर्मशाला अभियान हुआ ठंडा

धर्मशाला अभियान हुआ ठंडा : गुजरात के दोनो ही संगठन धर्मशाला के लिए अपने अपने दावे करता हुआ जमीन ढूंढने में लगा रहा। एक वर्ष में धर्मशाला के लिए जमीन अधिग्रहण कर लेने के दोनो संगठन के दावे झूठे ही साबित हुए। गुजरात सेवा संगठन ने तो शुरुआत में काफी तेजी दिखाई थी, हर जिले में प्रवास कर संगठन के सदस्यो से आर्थिक सहायता के सहमति पत्र भी लिए। लेकिन वहां भी अब सब अपने अपने बिजनेस में लग गए है। ठीक वैसे ही जैसे किसी शादी में फटाफट दावत खाते ही हरकोई अपने अपने घर के लिए निकल जाता है। धर्मशाला की लंबित फाईल अब कब खुलेगी? यह किसीको पता नही है। ठीक उसी समय वडोदरा में भी जिले के समाजबंधुओने अपने स्तर पर धर्मशाला के लिए भागदोड की थी और घर घर सहयोग के लिए सहमति बनाई। वहां से भी एक साल में कुछ हुआ नही। और अगर हुआ भी है तो वह प्रदेश टीम को बताते ही नही है। वही गुजरात महासभा अहमदाबाद के आसपास जमीन की खोज करती दिखाई दी। लेकिन मार्च 2024 के अंत तक हाथ कुछ नही लगा। गुजराती कहावत के अनुसार "आरंभे शुरा" ही साबित हुए दोनो संगठन। धर्मशाला के लिए प्रचंड आरंभ करने के बाद दोनो ही संगठनने जैसे हथियार ही डाल दिए ऐसा माहोल बन गया।

(सन्दर्भ पृष्ठ क्रमांक 4 पर)

(पृष्ठ क्रमांक-3 का संदर्भ)

गुजरात सेवा संगठन और गुजरात महासभा

08 दोनो संगठन का एक नही होना हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज के लिए चिंताजनक : गुजरात महासभा और गुजरात सेवा संगठन दोनो एक होकर काम करते तो शायद परिणाम कुछ और हो सकता था। चाहे समूह विवाह हो या समाज के लिए भवन निर्माण की बात हो। पद लालसा और विचारो का टकराव इतनी हद तक नही होना चाहिए कि जिससे समाज की हानि हो या उस में समाजहित समाहित न हो। माना कि दोनो संगठन अब अलग अलग कार्य करेंगे लेकिन समूह विवाह या भवन निर्माण जैसा कार्यो में दोनो को मिलकर ही कार्य करना चाहिए था। प्रांतवाद या गुटबाजी से समाज का ही नुकसान हुआ। एक वर्ष तक समाजहित में कोई कार्य नही हो सका । हम दूसरे समाज के उदाहरण पेश करते है , वहां क्या हो रहा है, कैसे कार्य हो रहे है वगेरह पोस्ट करते है लेकिन हमारे समाज में क्या और कैसा चल रहा है वहा नही देखते है। हमारे समाज की सबसे बडी खूबी यही है कि कभी कभी तो अच्छी सलाह देनेवाले को ही बिनावजह टार्गेट कर दिया जाता है। जब की संगठन के नेता को समाजहित की कोई भी बात हो सुननी चाहिए और विरोध या नाराजगी की बात हो तो भी उसपर अपना एक्शन दिखाना चाहिए। कई बार देखा गया है कि कोई कुछ भी कहने की या नाराजगी दिखाता है तो उसका मुंह बंद करने की कोशिष होती है। या उसके खिलाफ कुछ सदस्य एक हो जाते है। यह सही नही है। अगर कोई भी व्यक्ति चाहे उसने समाज के लिए कुछ किया हो या न किया हो लेकिन अगर उसकी बात से समाज का उद्धार या समाज को लाभ होता है तो उसे अमली जामा पहनाना चाहिए। हालाकि समाज में कुछ सदस्य ऐसे भी हो सकते है जो शोर मचाते रहते है और काम करने का समय आते ही भाग निकलते है या अपने हाथ खडे कर देते है। क्रोध, पूर्वाग्रह, जिद, दिखावे पर अंकुश रखकर जमीनी स्तर पर काम करता है वही राजा कहलाता है। वही दूसरी और कुछ जिलो से पूर्वग्रह रखनेवाले सदस्य आंतरकलह को बढाना देने का भी दुस्साहस कर रहे है। जो समाज के हित में नही है।

09 महिलाओ-युवतीओ को प्रोत्साहन का अभाव : गुजरात के दोनो ही संगठन के पास महिला टीम ही नही यह एक बडा चिंता का विषय है। समाज में महिलाओ के मुद्दे पर कैसे काम होता होगा? यह समझा जा सकता है। घरेलू हिंसा के शिकार महिला या युवतीयो की मदद के लिए टीम बनाने पर जोर नही दिया गया। प्राचीन समाज से लेकर आधुनिक कहे जाने वाले समाज तक स्त्रियां उपेक्षित ही रही हैं। उन्हें कम से कम सुविधाओं, अधिकारों और उन्नति के अवसरों में रखा जाता रहा है, इसी कारण महिलाओं की परिस्थिति अत्यंत निचले स्तर पर है। वैचारिक बदलाव जब तक हमारे व्यव्हार का हिस्सा नहीं बनेंगे, तब तक महिला सशक्तिकरण हमारे समाज के लिए बस खेल ही बन कर रह जाएगा। वही महिलाओने भी कभी प्रदेश से अपनी टीम बनाने के लिए अनुरोध नही किया। अचंबित करनेवाली बात यह भी है कि समाज की महिलाओ को अपने अधिकार या समाज संगठन में अपनी व्यवहारु जरुरतो का पता ही नही है। नतीजा यही निकलता है कि अगर किसी महिला हिंसा का शिकार हो रही है या किसी मदद की जरुरत है तो समाज में वह किससे मांगेगी? संगठन में उसके प्रतिनिधि ही नही है तो वह कहां जाऐंगी। हालाकि यह बात किसी को भी समझ में आनेवाली नही है। कुल मिलाकर दोनो संगठन महिला सशक्तिकरण के मामले में जीरो साबित हुए है।

10 कमिटी के फैसलो के बारे में जानकारीयो का अभाव : दोनो संगठन में कमिटी के फैसलो के पारित प्रस्ताव के बारे में जानकारी सदस्यो को सही ढंग से नही मिली। कुछ हद तक पारदर्शिता का अभाव ही रहा। कई बार जिलो में क्या चल रहा है प्रदेश को पता नही होता और प्रदेश में क्या चल रहा है उसके बारे में जिला इकाई को नही पता होता। पारित प्रस्ताव लिखित रुप से मिलने चाहिए। हर फैसले का प्रारुप लिखित ही होना चाहिए। कई बार फैसले अच्छे लिए जाते है लेकिन कमिटी के कई सदस्यो को कुछ पता ही नही होता। कई सदस्योने त्यागपत्र दिए है लेकिन प्रदेश टीम में न तो बैठके हो रही है और न ही उनकी जगह किसी की नियुक्ति।

इस लेख को लिखने का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और कमियों को दूर करना है। वार्षिक लेख का उद्देश्य संगठन को अपनी गलतियों पर ध्यान दिलाना और आगे बढ़ना है। संगठन समाज हित में कार्य कर रहा है और कार्य करता रहेगा। समाजजनों का भरपूर सहयोग मिला है और मिलता रहेगा। समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे समाज के लिए सक्रिय रहें। संगठन से जुड़ें. सामाजिक संगठन में अच्छे लोगों और कार्य कर सकने वाले लोगों की आवश्यकता है। हमारे समाज को अब क्षेत्रीय टीम में युवाओं की जरूरत है। अनुभवी चेहरों की आवश्यकता है. विश्वसनीय सामाजिक साझेदारों की आवश्यकता है। समाज की प्रगति के लिए शुभकामनाएँ। जय परशुराम

(नोट - इस आर्टिकल में किसी को नीचा दिखाने या किसी संगठन को हतोत्साहित करने का इरादा नहीं है. समाज हित में आवश्यक सत्य बातों को यथार्थ रूप में प्रस्तुत किया गया है, कृपया अन्यथा न लें)

लोकसभा चुनावी मौसम में राजस्थान में छाया कुडाया परिवार का शादी का कार्ड

PM मोदी के प्रति दूल्हे के परिवार की दीवानगी, शादी के कार्ड पर छपवाया 'अबकी बार 400 पार'

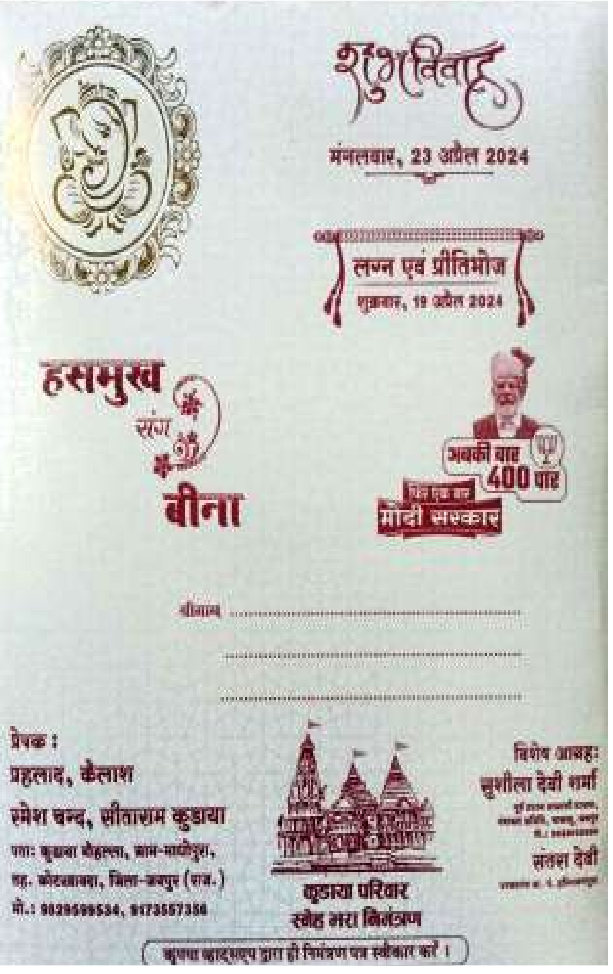

राजस्थान की 12 सीटों पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है। ऐसे में अब लगातार यहां कांग्रेस और भाजपा दोनों के ही स्टार प्रचारक सभा करने के लिए आ रहे हैं। इतना ही नहीं अब लोग भी चुनाव के रंग में रंग चुके हैं। इसी बीच राजस्थान से एक शादी का अनोखा कार्ड सामने आया है। जिस पर भी लोकसभा चुनाव का असर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर के साथ 'अबकी बार 400 पार' का नारा लिखा गया है. इसके अलावा भव्य अयोध्या रामलला मंदिर भी छपा है, जिसके जरिए मतदाताओ को जागरूक करने के साथ भाजपा को जिताने का अनूठा तरीका अपनाया है.

इस कार्ड पर लोकसभा चुनाव 2024 का रंग चढ़ा है। पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति दीवानगी दिखाई दे रही है। दीवानगी भी ऐसी कि शादी के कार्ड पर पीएम मोदी का नारा 'अबकी बार 400 पार' लिखा हुआ है। जानकारी के अनुसार राजस्थान के जयपुर के गांव माधोपुरा निवासी प्रह्लाद, कैलाश, रमेश चंद्र व सीताराम कुडाया परिवार के बेटे हसमुख की 23 अप्रैल बीना के संग शादी हो रही है। 19 अप्रैल को लग्न एवं प्रीतिभोज कार्यक्रम है। टीवी मीडिया में यह खबर काफी देखी गई है। यह परिवार हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज से है और उनका कुडाया गौत्र है।

कुडाया परिवार ने बेटे की शादी के कार्ड पर पीएम मोदी की फोटो के साथ ही लिखवाया है कि 'अबकी बार 400 पार' मतलब लोकसभा चुनाव 2024 को भारतीय जनता पार्टी को 400 सीटें मिलने वाली हैं। कुडाया परिवार के इस स्नेह भरे निमंत्रण पर पर 'फिर एक बार मोदी सरकार' के नारे के साथ ही PM मोदी व अयोध्या रामलला मंदिर की तस्वीर भी छापी है।

गुजरात पत्रिका से बातचीत में दूल्हे हसमुख के भाई विनोद कुडाया ने बताया कि उनका परिवार पीएम मोदी से इतना प्रभावित है कि काफी समय पहले एक निर्णय लिया था कि जब भी लोकसभा चुनाव होंगे, तब एक सदस्य की शादी जरूर करेंगे।

इंदौर में श्री हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह हुआ आयोजित

मनीश शर्मा, इन्दौर : समाज का होली मिलन समारोह विठ्ठल रुक्मणि परिसर, केसर बाग रोड़, इंदौर में 30 मार्च, 2024 को रंगपंचमी की सुनहरी शाम को अनुमानित 1500 समाजजनों की गौरवमयी उपस्थिति में मनाया गया। जिसमें भजन सम्राट श्री सुरेश जी कालवानिया(काशी) द्वारा मधुर फ़ाग गीत गाए गए व समाज के महिलाओं व पुरुषों द्वारा उन गीतों पर नाच गाकर होली मिलन समारोह में समा बांधा। कार्यक्रम में इंदौर शहर के राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह जी चौहान ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तथा सभी समाजबंधुओं को शुभकामनाएं दी।

समाज अध्यक्ष मनीष जी शर्मा, महिला संगठन अध्यक्ष श्रीमती दीपाली जी शर्मा तथा युवा संगठन के अध्यक्ष पवन जी भोंगा व अन्य पदाधिकारियों द्वारा सभी समाजबंधुओं व मातृशक्ति का स्वागत किया गया व माधुर्य भोज का निवेदन किया। कार्यक्रम में 3 लकी ड्रा खोलकर गिफ्ट भी सभी समाजबंधुओ की उपस्थिति में प्रदान किये गए।

कार्यक्रम की तैयारी पिछले एक माह से चल रही थी। युवा संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा सभी समाजबंधुओं के घरों में जाकर व्यक्तिगत चर्चा की तथा कार्यक्रम के पास का वितरण किया। समाज के भामाशाहों द्वारा इस कार्यक्रम हेतु बढ़ चढ़कर सहयोग किया गया। अंत में मंत्री महेश पंचोली द्वारा सभी समाजबंधुओं, मातृशक्ति, युवाशक्ति व भामाशाहों का आभार व्यक्त कर रात्रि 11 बजे कार्यक्रम समाप्त हुआ। महिला संगठन मंत्री श्रीमती मनीषा जी द्वारा सभी मातृशक्ति से गणगौर के बाणे में आने का निमंत्रण दिया गया।जो कि 7 अप्रैल, 2024 को समाज की धर्मशाला से निकलेगा।

वडोदरा में हर्षोल्लास के आयोजित हुआ होली स्नेह मिलन

कल्पना शर्मा, वडोदरा : हरियाणा गौड ब्राह्मण सेवा समाज एवम हरियाणा गौड ब्राह्मण युवा संगठन वडोदरा द्वारा आयोजित होली स्नेह मिलन समारोह हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया. इस समारोह में वडोदरा शहर के समाजबंधुओने हिस्सा लिया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और समाज के लोग मौजूद रहे और एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दीं.

होली के रंग-समाज के संग-हिंमतनगर

साबरकांठा जिले के हिंमतनगर में होली पर्व बडे धामधूम से मनाया गया. हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - हिंमतनगर समाजबंधु आयोजित “हरी का महोत्सव - होली संमेलन” में हिंमतनगर शहर एवं साबरकांठा जिले के समाजबंधुओ एवं महिाओने हिस्सा लिया. समाज के लोगों ने धुलेटी का त्योहार होली रंग-बिरंगे अंदाज में मनाया.. एक-दूसरे पर गुलाल उड़ाया, एक-दूसरे को रंग लगाकर होली मनाई.. जश्न के बाद सभी समाज के लोगों ने मिलकर भोजन का आनंद भी लिया.इस कार्यक्रम में 100 से अधिक जिले के समाजबंधुओ पहुंचे.

आणंद अमूल डेयरी में संजय शर्मा को मिला प्रशंसा पुरस्कार सन्मान

साबरकांठा जिले के वडाली तहसील गांव - डोभाडा से संजयकुमार राजेशभाई शर्मा को गुजरात को-ओपेरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड(GCMMF-AMUL) प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया। संजय शर्मा के पिता का नाम राजेश शर्मा है और माता का नाम कुंतीदेवी शर्मा है। समाज के युवा एवं जोशीले संजय शर्माने वर्ष 2021 में SMC कोलेज ओफ डेयरी सायन्स , आणंद से एमटेक(M. Tech)की पढाई पूरी की है। उसके बाद पिछले ढाई साल से वे GCMMF-AMUL में गुणवत्ता आश्वासन अधिकारी(Quality Assurance Officer) के कर्मचारी के रुप में चयनित हो गए है। वर्ष 2023-24 के लिए साल में बेहतर प्रदर्शन के लिए उन्हे 22 मार्च 2024 को आणंद स्थित अमूल डेयरी के गुणवत्ता विभाग के HOD द्वारा प्रशंसा पुरस्कार प्रदान किया गया है। गुजरात पत्रिका टीम से बातचीत में संजय शर्मा ने बताया कि हर साल किसी व्यक्ति को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं और इस वर्ष मुझे यह अवसर मिला, इसलिए आपके साथ यह खबर साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज गुजरात के सभी समाजबंधुओ की तरफ से संजय शर्मा को शुभकामनाएँ एवं अभिनंदन।

महासभा तहसील इकाई की नवगठित कार्यकारिणीने ली शपथ

अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा आगरा रोड़ तहसील, ईकाई की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नवनियुक्त कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। कार्यकारिणी में शामिल पदाधिकारियों ने नैतिक दायित्व का निर्वाहन निष्ठापूर्वक किए जाने की शपथ ली। आगरा रोड़ तहसील, ईकाई के नवनियुक्त पदाधिकारीयो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जयपुर ग्रामिण के नवगठित समाज पदाधिकारीओने ली शपथ

अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा ज़िला जयपुर ग्रामीण की नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण कार्यक्रम रखा गया। जिस में मुख्य अतिथि के रुप में राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधीचंद शर्मा शामिल होकर श्री सिद्धपीठ बैनाडा धाम श्री श्री 1008 महंत श्री रामदयाल दास जी महाराज के सानिध्य में नवनियुक्त कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। कार्यकारिणी में शामिल पदाधिकारियों ने नैतिक दायित्व का निर्वाहन निष्ठापूर्वक किए जाने की शपथ ली। इस दौरान अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष, महासभा के पदाधिकारीगण, तहसील अध्यक्षगण, युवा पदाधिकारीगण समाज बंधु आदि मौजूद रहे। ज़िला जयपुर ग्रामीण के नवनियुक्त पदाधिकारीयो को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

अहमदाबाद की आध्या पुरोहित ने स्वर्ण पदक जीता

Open Gujarat State Tae Kwon Do Championship : कराटेचैंपियनशिप)मेंअहमदाबादकीआध्याव्रज(ब्रिजेश) पुरोहित ने स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल और परिवार को गौरवान्वित किया। अहमदाबाद शहर के बोपल स्थित डीपीएस स्कूल में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली आध्या पुरोहित पढ़ाई में भी काफी होशियार हैं। पढ़ाई के साथ-साथ उनकी रुचि रचनात्मक गतिविधियों और खेलों में भी है। पदक वितरण समारोह गांधीनगर के वावोल स्थित न्यू लाइफ इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित किया गया। जहां आयोजकों द्वारा आध्या पुरोहित को कराटे चैंपियनशिप में फर्स्ट आने पर गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

चाय पर चर्चा में लिया हिस्सा

गुजरात महासभा के प्रदेश महामंत्री कमलेशजी शर्मा (पनवाडिया) एवं अहमदाबाद-गांधीनगर जिला के युवा महामंत्री यज्ञेश पंडितने अहमदाबाद के रखियाल में न्युज18 गुजराती टीवी चेनल के लोकप्रिय शॉ चाय पे चर्चा में हिस्सा लिया

रायसर : बाँकी माता के लक्की मेले में टूटा 10 साल का रिकोर्ड

12 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बने साक्षी

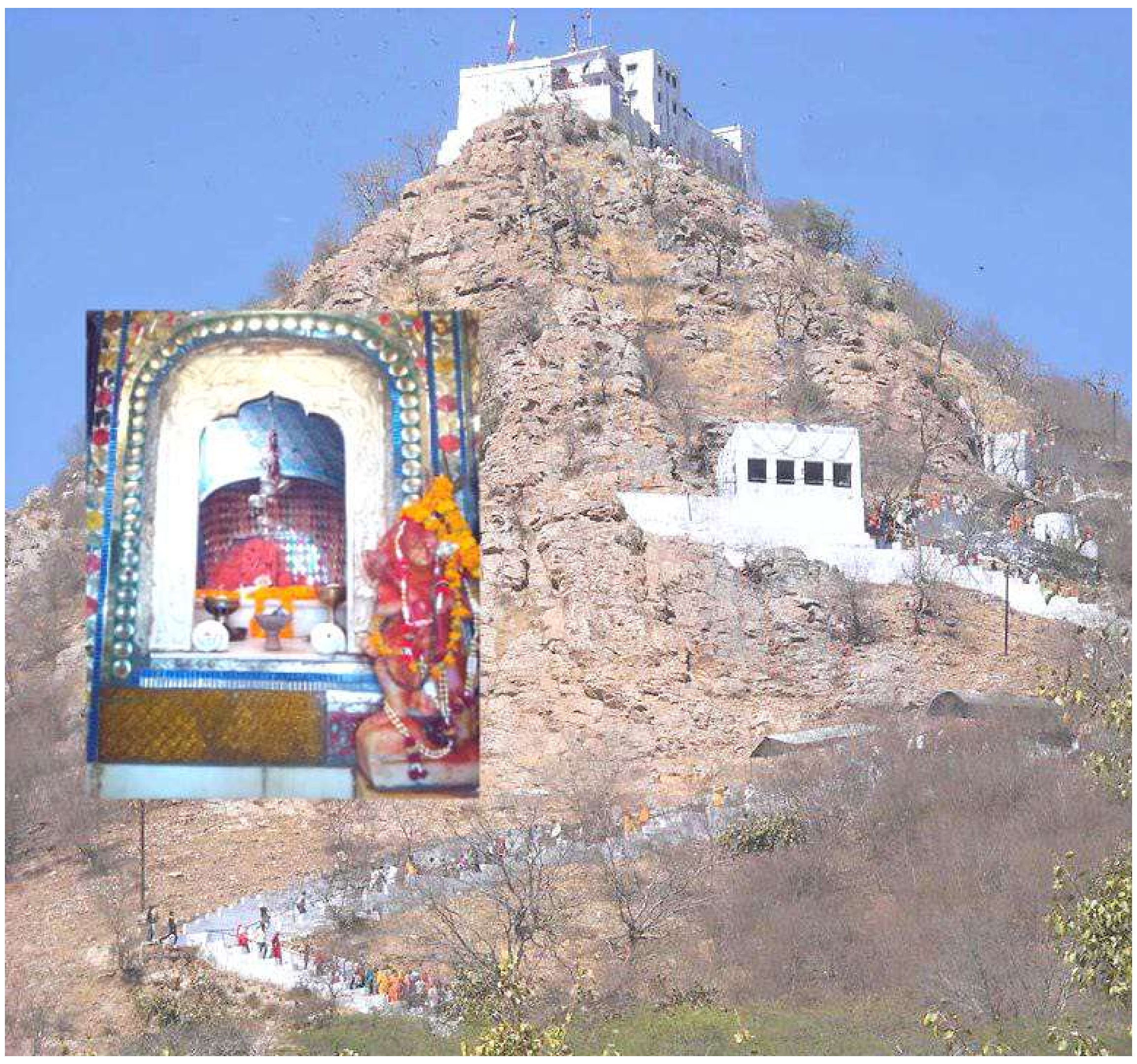

जयपुर में स्थित बांकी माता मंदिर में फाल्गुन अष्टमी पर वार्षिक मेले का आयोजन हुआ. इस दौरान श्रद्धालुओं ने माता की चौखट पर माथा टेक खुशहाली की कामना की। रायसर की उत्तरी अरावली पर्वत माला पर विराजित बांकी माता को धोक देने व जात जड़ूले चढ़ाने के लिए रविवार को श्रद्धालुओं का इतना सैलाब उमड़ा की पुराना 10 साल का रिकॉर्ड टूट गया। समिति सदस्य पंकज उपाध्याय ने बताया कि पिछले 10 सालों में यहां कभी भी श्रद्धालुओं की संख्या 3 से 4 लाख से ज्यादा नहीं रही।श्रद्धालुओं को घंटों कतार में खड़ा रहकर रैंग-रैंग कर चलना पड़ा, जिसके बाद कहीं जाकर माता रानी व भैरव बाबा के दर्शन हुए। 750 सीढ़ियां पर श्रद्धालुओं की दिनभर अटूट कतार लगी रही। श्रद्धालुओं के रंग-बिरंगे कपड़ों से पहाड़ी का स्वरूप ही मनमोहक बन गया। जात जड़ूले और मन्नत मांगने वाले श्रद्धालु सिर पर पुआ-पुड़ी की छाबड़ी लेकर मंदिर पहुंचे।

बांकी माता सेवा समिति अध्यक्ष सीताराम मीणा ने बताया कि मेले में राजस्थान के विभिन्न जिलों के अलावा हरियाणा, यूपी, एमपी, महाराष्ट्र, मुम्बई, पंजाब, गुजरात, दिल्ली, कोलकता सहित अन्य प्रदेशों से आए श्रद्धालुओं ने माता की चौखट पर माथा टेक कर सुख समृद्धी और खुशहाली की कामना की। बांकी माता मंदिर में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के रंग-बिरंगी परिधान से पहाड़ी सतरंगी नजर आई. इस दौरान नव विवाहित जोड़ों ने भी माता के मंदिर पहुंच कर अपनी जात दी।

बांकी माता का वार्षिक मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 200 पुलिस के जवान,स्काउट गाइडों ने मेले में व्यवस्थाएं संभालते नजर आए. साथ ही पुलिस की ओर से एक कंट्रोल रूम की भी व्यवस्था की गई। मेले के दौरान भारी भीड़ के चलते कई छोटे बच्चें अपने परिजनों से बिछड़ जाने पर पुलिस कंट्रोल रूम में सम्पर्क करने की भी अपील की गई. हालांकि बांकी माता सेवा समिति व पुलिसकर्मियों के आपसी सहयोग से मेले में बिछड़े बच्चों को उनके माता-पिता को लौटाने का काम किया गया.

स्थानिय कार्यकर्ताओं ने बताया कि पुआ पुड़ी इतने चढ़े कि बांटने के बाद भी कई क्विंटल प्रसाद बच गया। रायसर में 6 दिवसीय इस मेले में रविवार को देशभर से लगभग 12 लाख श्रद्धालु पहुंचे। इस कारण बांकी माता के बनी दो पार्किंग व भैरव बाबा की दो पार्किंग वाहनों से भर गई। बाजार सहित हाईवे पर भी जाम लग गया। रायसर थाना अधिकारी महेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि मेले में भीड़ अधिक होने के कारण जाम जैसी स्थिति हो गई थी परन्तु पुलिस जाब्ता पर्याप्त होने के कारण व्यवस्था समय पर संभाली गई। मेले में दर्शनों के लिए जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा, गठवाड़ी सरपंच बाबूलाल मीणा, पूर्व विधायक गोपाल मीणा सहित दिल्ली से आईपीएस अधिकारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी पहुंचे और माता रानी के दर्शन कर क्षेत्र में सुख शांति की कामनाएं की। गौरतलब है कि हर साल फाल्गुन सप्तमी पर मसाणिया भैरव बाबा का लक्खी मेला भरता है। अष्टमी पर बांकी माता का मेला भरता है और नवमी सोमवार को बाजार में गुदड़ी का मेला भरेगा, जिसमें आसपास के गांवों की महिलाएं घरेलू और कृषि संबंधी सामानों की खरीदारी करेंगे। मेला 13 मार्च से शुरू हुआ था। सोमवार को कस्बे में गुदड़ी के मेले के साथ 6 दिवसीय लक्खी मेले का समापन होगा। बांकी माता सेवा समिति द्वारा मंदिर मेला मैदान, सीढ़ियां में कुल 80 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही दो ड्रोन व एक क्रेन कैमरा लगाया गया है, जिसका सीधा प्रसारण बड़ी एलसीडी में किया गया। अध्यक्ष सीताराम मीणा ने बताया कि बांकी माता के मंदिर में 6 दिवसीय वार्षिक लक्खी मेले के दौरान श्रद्धालु करीब 23-24 पीपे घी के चढ़कर जाते हैं जिससे मंदिर में ज्योत जलाई जाती है। मेले में लगी अस्थाई स्टॉल पर महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीददारी का लुत्फ उठाया। मेले में बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाई गई टॉय ट्रेन व मौत का कुंआ लोगों की आकर्षक का केन्द्र रहा। मेले में आने-वाले श्रद्धालुओं ने जमकर एंजॉय किया।

बांकी माता सेवा समिति द्वारा मेले के दौरान अस्थाई मोबाइल टॉवर लगाने की मांग की थी लेकिन प्रशासनिक लापरवाही के चलते टॉवर नहीं लगाया गया. श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते दो दिन से लगातार मोबाइल नेटवर्क जाम होने से श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा. शाहपुरा डीपो की ओर से श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए प्रयाप्त बस नहीं लगाने से परेशानी का सामना करना पड़ा.

जयपुर - राष्ट्रीय महासभा द्वारा जून में भव्य सामूहिक विवाह महोत्सव का आयोजन

अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा-जयपुर ने रविवार 16 जून 2024 को सामूहिक विवाह का आयोजन किया है..महासभा की एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज का सामूहिक विवाह श्री सिद्धपीठ बैनाड़ा धाम, बस्सी में आयोजित किया जाएगा.. इसमें सामूहिक विवाह में शामिल होने के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि 6 जून 2024 है..महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सामूहिक विवाह सम्मेलन में शामिल होने के लिए समाजबंधुओं को सार्वजनिक निमंत्रण जारी किया है..

ALL INDIA HARIYANA GAUR BRAHAMAN MAHASABHA, JAIPUR
अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा, जयपुर
द्वारा आयोजित
अपील एवं आमंत्रण
सामूहिक विवाह सम्मेलन
16 जून 2024 रविवार संवत 2081 गंगादशमी
शनिवार 15 जून 2024 | वैवाहिक कार्यक्रम | रविवार 16 जून 2024
निवेदक
बिरधी चन्द शर्मा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
मो. 9414079540, 9414067762, 9414047712, 9928793069, 9829053207, 9414057837, 9602659042, 9166815358, 9828884555
एवं समस्त कार्यकारिणी व सामूहिक विवाह समिति

सामूहिक विवाह सम्मेलन के आवश्यक नियम

डॉ.गितीका यशवंत शर्मा(BDS) (PGDHHM)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.गितीका यशवंत शर्मा(BDS) (PGDHHM) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। फिलहाल आप सावली में अपनी हेल्थ सेवाएं प्रदान कर रहे है। आपकी इस शानदार सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2016 से 2023 में डॉ.गितीका यशवंत शर्मा ने BDS-PGDHHM की डीग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.नेहा शर्मा(MBBS-MD-PAEDIATRIC)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.नेहा शर्मा(MBBS-MD) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। फिलहाल पालनपुर सिविल होस्पिटल में अपनी सेवाएं दे रहे है। आपकी इस शानदार सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2017 में UP से डॉ.नेहा देवेन्द्र शर्मा ने MBBS-MD की डीग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.कल्याणी विश्वनाथ शर्मा(BDS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.कल्याणी विश्वनाथ शर्मा(BDS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। फिलहाल आप अहमदाबाद में आगे की पढाई जारी रखते हुए MDS कर रही है। आपकी इस नए सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2021 में उदयपुर से डॉ.कल्याणी विश्वनाथ शर्मा ने BDS की डीग्री हासिल कर हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.रिद्धि राजेशभाई शर्मा(PHYSIOTHERAPIST)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.रिद्धि राजेशभाई शर्मा को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। फिलहाल आप सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी कर रही है। आप गुजरात स्टेट काउन्सिल फॉर फिजियोथेरापी(GSCPT-GPC No 7208) के सदस्य के रुप में भी कार्यरत है। आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते आपको हुए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2020 में अहमदाबाद से डॉ.रिद्धि राजेशभाई शर्मा ने Physiotherapy की डीग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.आयुषी राजुभाई शर्मा (BHMS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.आयुषी राजुभाई शर्मा(BHMS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। फिलहाल आप वडोदरा के अस्पताल में इन्टर्नशीप करी हो। आपकी इस नए सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ

वर्ष 2023 में वडोदरा से डॉ.आयुषी राजुभाई शर्मा ने BHMS की डीग्री हासिल कर हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.राहुल हरिवदन शर्मा(MBBS-MD)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात के सभी समाजबंधुओ की तरफ से डॉ.राहुल हरिवदन शर्मा(MBBS-MD) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी कठोर मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। आपने अपनी पढाई पूरी करके वडोदरा में प्राईवेट अस्पताल में अपनी हेल्थ सेवाएं प्रदान कर रहे है। आपके उज्ज्वल करियर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2019 में वडोदरा से डॉ.राहुल हरिवदन शर्मा ने MBBS-MD की डिग्री हांसिल कर समाज को गौरवान्वित किया है

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.मनस्वी सतीशकुमार शर्मा(BHMS-MD)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.मनस्वी सतीशकुमार शर्मा को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। इस नये सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

अहमदाबाद से डॉ.मनस्वी सतीशकुमार शर्माने BHMS-MD की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.जिग्नेश श्रीकांत शर्मा(BHMS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात के सभी समाजबंधुओ की तरफ से डॉ.जिग्नेश श्रीकांत शर्मा(BHMS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी कठोर मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। आप जल्द ही अपनी आगे की पढाई ओस्ट्रेलिया में पूरी करके समाजसेवा का कार्य शुरु कर देंगे। आपके उज्ज्वल करियर और विदेश में अपनी नवीनतम सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

साबरकांठा से डॉ.जिग्नेश श्रीकांत शर्माने BHMS की डिग्री हांसिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.भूमि संजयकुमार शर्मा(BDS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.भूमि संजयकुमार शर्मा(BDS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। आप जल्द ही अपनी इंटर्नशिप पूरी करनेवाले है और मरीजों की सेवा करना शुरु कर देंगे.. आपके उज्ज्वल करियर और अपनी नवीनतम सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!

अहमदाबाद से डॉ.भूमि संजयकुमार शर्माने BDS की डिग्री हांसिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.जानकी भगवानदास पंडित (BAMS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.जानकी भगवानदास पंडित (BAMS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। आप के इस नये सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

महेसाणा से डॉ.जानकी भगवानदास पंडितने BAMS की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ. निकेश राजेशकुमार शर्मा(BHMS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ. निकेश राजेशकुमार शर्मा(BHMS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। आप जल्द ही अपनी इंटर्नशिप पूरी करनेवाले है और मरीजों की सेवा करना शुरु कर देंगे.. आपके उज्ज्वल करियर और अपनी नवीनतम सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2024 में साबरकांठा से डॉ. निकेश राजेशकुमार शर्मा ने BHMS की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.शिवानी सुरेश शर्मा (PHYSIOTHERAPIST)

() Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.शिवानी सुरेश शर्मा को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। वडोदरा में ही आपने अपनी क्लिनिक शुरु कर मरीजो को अपनी सेवाएं देना आरंभ कर दिया है. आपको अपनी नवीनतम सफर के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2019 में डॉ.शिवानी सुरेश शर्मा ने फिजीयोथेरापी की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.आकाश संजय शर्मा(MBBS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.आकाश संजय शर्मा(MBBS) को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। इस नये सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वर्ष 2021 में डॉ.आकाश संजय शर्मा ने MBBS की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.विनीत परेशभाई शर्मा(MBBS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से विनीत परेशभाई शर्मा को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। इस नये सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

वडोदरा(मांजलपुर)से विनीत परेशभाई शर्मा ने MBBS की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.प्रियंका रमेश शर्मा(MBBS)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से प्रियंका रमेश शर्मा को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। इस नये सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

अहमदाबाद (मणिनगर) से प्रियंका रमेश शर्मा ने एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

डॉ.देवेन्द्र शर्मा(MD-DM कार्डियोलोजी) (इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट)

Congratulations

हरियाणा गौड ब्राह्मण समाज - गुजरात प्रदेश की तरफ से डॉ.देवेन्द्र शर्मा को बहुत बहुत बधाई एवं अभिनंदन देते है। आपकी पढ़ाई के प्रति आपकी सारी मेहनत और समर्पण का आपको अच्छा फल मिला है। यह निश्चित रूप से एक आसान यात्रा नहीं थी लेकिन आपने इसे पूरा किया। इस नये सफर की शुरुआत के लिए ढेर सारी शुभकामनाएँ!!!

पाटण से डॉ.देवेन्द्र शर्मा ने MD-DM(कार्डियोलोजी) की डिग्री हासिल कर समाज को गौरवान्वित किया है।

सौजन्य : हरियाणा गौड ब्राह्मण - गुजरात पत्रिका टीम

सिद्धपुर से हार्दिक शर्मा को AIBE परीक्षा में मिली सफलता

All India Bar Examination

ALL INDIA BAR EXAMINATION - XVIII RESULT

Result Details | Candidate Photo & Signature

Name	: SHARMA HARDIK BHARATKUMAR
Father's/Husband's/Mother's Name	: BHARATKUMAR HIRALAL SHARMA/BHARTIBEN BHARATKUMAR SHARMA
Roll Number	: 18001461
Registration Number	: AIBE4648238
Enrolment Number	
Result Status	: PASS

NOTE:

1. Candidates are requested to verify their details. In case of discrepancy, if any, kindly report the same on our helpdesk- "https://aibe.smartexams.in/index.php" or contact our helpline number: +91- 7969049940, 011-49225022, 011-49225023
2. Candidates are requested to send attested copy of their required docs...
3. Due care has been taken while preparing the results, however any inadvertent error cannot be ruled out. Council reserves the right to rectify any such error at a later stage.

THE SPEEDY FOUNDATION

हार्दिक भरतभाई शर्मा - सिद्धपुर को वकील(एडवोकेट) की परीक्षा में सफलता हांसल की..कुछ दिन पहले ही उन्होने इसके लिए परिक्षा दी थी..जिसका नतीजा घोषित हुआ है..परिणाम में सफलता मिली है..अब उनको सनद मिलने पर बहुत बहुत अभिनंदन...सनद मिलने पर अब हार्दिक शर्मा अपनी वकालत का व्यवसाय शुरु कर सकते है।

हार्दिक शर्मा (गौत्र - भारवरियाल पचौली) पाटण जिले के सिद्धपुर के रहनेवाले है. उनका वर्कप्लेस हाईकोर्ट ओफ गुजरात, अहमदाबाद एवं एडिशनल डिस्ट्रीक्ट सेशन्स कोर्ट, विसनगर है..हार्दिकने एक वकील के रूप में अपनी कच्ची सनद को पंजीकृत करने के लिए स्नातक स्तर की पढ़ाई के तुरंत बाद 2 वर्ष तक यानी 2021 से 2023 तक एक वरिष्ठ वकील के साथ कानून का अभ्यास किया और फिर 2023 में मैंने अपनी कच्ची सनद को बार काउंसिल ऑफ गुजरात के साथ पंजीकृत कराया।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (AIBE) 26 नवंबर 2023 को परीक्षा पूरे भारत में आयोजित की गई थी.. जिसका परिणाम दिनांक 26 मार्च 2024 को जारी किया गया है। यह परीक्षा वकीलों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती है, इस परीक्षा को पास करने के बाद हमें बार काउंसिल द्वारा सनद यानी वकालत करने का लाइसेंस दिया जाता है। जिससे हम स्वतंत्र रूप से वकालत कर सकें..

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

परमपिता परमेश्वर स्व.बाबूलाल पंडित (गांव - आसोदर जिला आणंद) की दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करे |

भावपूर्ण श्रद्धांजलि ! ॐ शान्ति

(स्वर्गवास तारीख - 17 मार्च 2024)

हरियाणा गौड ब्राह्मण-गुजरात पत्रिका टीम

हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज युवा संगठन

अहमदाबाद, गांधीनगर, दहेगाम

युवा संगठन कमिटी 2024-25

प्रमुख
विजय रामाधार शर्मा
(वस्त्राल)

उप प्रमुख
रवि
शर्मा

उप प्रमुख
हीरालाल लाली
महाराज शर्मा

उप प्रमुख
ललित भाई शर्मा
(रखियाल)

महामंत्री
यग्नेश कनैयालाल पंडित
(राजा - रखियाल)

सह महामंत्री
दिलीप रामप्रसाद शर्मा
(वस्त्राल)

कोषाध्यक्ष
विशाल शर्मा
(गोता)

सह कोषाध्यक्ष
हेमांग भरत भाई
पुरोहित

संगठन मंत्री 1
संजयभाई सीताराम शर्मा
(नरोड़ा)

संगठन मंत्री 2
विजय देवकीनंदन
शर्मा (पेथापुर
गांधीनगर)

संगठन मंत्री 3
शुभम शर्मा
(बोपल)

संगठन मंत्री 4
महेशभाई रमनलाल
शर्मा (दहेगाम)

सह संगठनमंत्री
(1) ब्रिजेश कमलेश भाई
पुरोहित

सह संगठनमंत्री
(2) कल्पेश रामबाबू
पंडित

सह संगठनमंत्री
(3) हरीश गोपालदास
शर्मा (नागरवेल)

सह संगठनमंत्री
(4) विकास रमनलाल
शर्मा (सरसपुर)

सह संगठनमंत्री
(5) अभिषेक
शर्मा (नागरवेल)

सह संगठनमंत्री
(6) अनिल शर्मा
(बापूनगर)

सलाहकार समिति
(1) नरेश भाई
शर्मा

सलाहकार समिति
(2) अरुण
शर्मा

सलाहकार समिति
(3) हरीश भाई
(एस एस मावा)

सलाहकार समिति
(4) पप्पु भाई
पुरोहित

सलाहकार समिति
(5) विनोद भाई
मोती लाल शर्मा

सलाहकार समिति
(6) शैलेश शर्मा
(बापूनगर)

सलाहकार समिति
(7) पंकज शर्मा
(बोपल) पत्रकार

उपरोक्त सभी युवा कमिटी सदस्य समाज के विकास लक्षी कार्यक्रम में अपना योगदान, समय , तन मन और धन से सहयोग करेंगे।